उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

प्रदत्त कार्य 2020–21

कक्षा..... विषय.....

पत्र..... पत्रकोड.....

अनुक्रमांक..... नामांकन संख्या.....

परीक्षार्थी हस्ताक्षर प्राचार्य हस्ताक्षर

नोटः–उपरोक्त सूचना स्पष्ट भरें। परीक्षार्थी सिर्फ अनुक्रमांक ही भरे। परीक्षार्थी अपना नाम न लिखें। प्रदत कार्य स्वहस्तलिखित ही मान्य होगा अन्यथा की स्थिति में निरस्त कर दिया जायेगा।

प्रदत्त कार्य

आचार्य (एम.ए.) शिक्षाशास्त्र (प्रथम सेमेस्टर) परीक्षा, २०२०-२१

शिक्षायाः दार्शनिकाधारः

प्रथमपत्रम्

सम्पूर्णांक–80

प्रथमो भागः (लघूत्तरीयप्रश्नाः १५० मितेषु शब्देषु)

अवधेयम्–अस्मिन् भागे षट् प्रश्नाः सन्ति। एतेभ्यः केषाञ्चन पञ्चप्रश्नानामुत्तराणि दत्त। $\mathbf{5 \times 4 = 20}$

1. शिक्षायाः निर्वचनं स्पष्टयत।
2. शिक्षायाः प्रकृतिः लिख्यताम्।
3. आस्तिकदर्शनानां परिचयं लिखत।
4. बौद्धदर्शनस्य परिचयो दीयतम्।
5. प्रयोजनवादस्य अभिप्रायं स्पष्टयत।
6. स्वतन्त्रतेति पदस्य अर्थं सप्रमाणं लिखत।

द्वितीयो भागः (टिप्पण्यात्मकप्रश्नाः ५०० मितेषु शब्देषु)

अवधेयम्–अस्मिन् भागे षट् प्रश्नाः सन्ति। एतेभ्यः चत्वारः प्रश्नाः समाधेयाः। $\mathbf{4 \times 5 = 20}$

1. शिक्षादर्शनयोः सम्बन्धं विविच्य अनयोः कार्याणि प्रतिपादयत।
2. सांख्यदर्शनस्य शैक्षिकनिहितार्थः कः? प्रतिपादयत।
3. वेदान्तदर्शनदृशा शिक्षकस्य उत्तरदायित्वं लिखत।
4. प्रकृतिवादिविद्यालयस्य स्वरूपं लिखत।
5. आदर्शवादस्य शिक्षणविधीनाम् उल्लेखं कुरुत।
6. दर्शनशास्त्रो ज्ञानमीमांसायाः अभिप्रायः कः? लिखत।

तृतीयो भागः (निबंधात्मकाः विवरणात्मकाश्च प्रश्नाः १००० मितेश शब्देषु)

अवधेयम्–अस्मिन् भागे चत्त्वारः प्रश्नाः सन्ति। एतेभ्यः प्रश्नद्वयं समाधेयम्। $\mathbf{2 \times 20 = 40}$

1. आदर्शवादस्य महत्त्वं विशेषतां चोल्लिख्य आदर्शवादस्य छात्रसंकल्पनां विवेचयत।
2. शिक्षायां प्रयोजनवादस्य स्थानं निरूप्य प्रयोजनवादिपाठ्यक्रमस्य स्वरूपं वर्णयत।
3. लोकतान्त्रिकशिक्षाप्रक्रियायां स्वतन्त्रतायाः समानतायाश्च स्थानं प्रतिपाद्य एकविंशतिशतकस्य शैक्षिकमूल्यानि प्रतिपादयत।
4. महात्मागान्धिनः 150 तमजन्मवर्षस्य परिप्रेक्ष्ये तस्य सर्वोदयशिक्षादर्शनस्य प्रासंगिकतां वर्णयत।

****

प्रदत्त कार्य

आचार्य (एम.ए.) शिक्षाशास्त्र (प्रथम सेमेस्टर) परीक्षा, २०२०-२१

शिक्षायाः समाजशास्त्रीयाधाराः-(प्रथम भाग)

द्वितीय पत्रम्

सम्पूर्णांकः-८०

प्रथमो भागः (लघूत्तरीयप्रश्नाः १५० मितेषु शब्देषु)

अवधोयम्-अस्मिन् भागे षट् प्रश्नाः सन्ति। एतेभ्यः केषाञ्चन पञ्चप्रश्नानामुत्तराणि दत्त। $5 \times 4 = 20$

1. किन्नाम शैक्षिक समाजशास्त्रं? स्पष्टयत।
2. बालकानां सामाजिक विकासाय लोकपरम्परायाः का भूमिका अस्ति? संक्षेपेण लिखत।
3. किम् सामाजिकस्तरीकरणाम शिक्षायाः कापि भूमिका वर्तते? स्पष्टयत।
4. सस्कृतेः अवधारणां संक्षेपं विहाय लिखत।
5. आधुनिकीकरणम् नाम किम? व्याख्याताम्।
6. भारतीय सन्दर्भे नगरीकरण-पश्चिमीकरणयोः आन्तर्यं स्पष्टयत।

द्वितीयो भागः (टिप्पण्यात्मकप्रश्नाः ५०० मितेषु शब्देषु)

अवधोयम्-अस्मिन् भागे षट् प्रश्नाः सन्ति। एतेभ्यः चत्वारः प्रश्नाः समाधोयाः। $4 \times 5 = 20$

1. बालकानां सममाजिकीकरणाम समुदायकस्य भूमिका सोदाहरणं स्पष्टयत।
2. समूहगतिशीलतायाः अवधारणां समुचितोदाहरणेन प्रकाशयत्।
3. बालकानां सस्कृतिकविकासाय शिक्षकाणां योगदानं सविस्तरेण स्पष्टयत।
4. सामाजिक परिवर्तनस्य अवधाराणां सोदाहरणं स्पष्टयत।
5. सामाजिक परिवर्तने राजनैतिक दलानां भूमिका लिखत।
6. संस्कृतेः निर्धारक तत्त्वानि समुचितोदाहरेण स्पष्टयत।

तृतीयो भागः (निबंधात्मकाः विवरणात्मकाश्च प्रश्नाः १००० मितेश शब्देषुं)

अवधोयम्-अस्मिन् भागे चत्त्वारः प्रश्नाः सन्ति। एतेभ्यः प्रश्नद्वयं समाधोयम्। $2 \times 20 = 40$

1. किन्नाम् सामाजिकसंस्था? एतासां गत्यात्मकवैशिष्ट्यानि समुचितोहरणेन स्पष्टयत।
2. पश्चिमीकरण-आधुनिककरणयोः आन्तर्यं सतर्केण व्याख्याताम्।
3. सामाजिकपरिवर्तने सोशल मीडिया ''इति संसाधनं का भूमिकां निर्वहति? प्रासंगिकोदाहरण स्पष्टयत।
4. बालकानां मूल्यनिर्धारणे समाजिक संस्थानां भूमिका सोदाहरणं लिखत।

****

प्रदत्त कार्य

आचार्य (एम.ए.) शिक्षाशास्त्र (प्रथम सेमेस्टर) परीक्षा, २०२०-२१

शिक्षायाः मनोविज्ञानिकाधार

तृतीय पत्रम्

सम्पूर्णांकः-८०

प्रथमो भागः (लघूत्तरीयप्रश्नाः १५० मितेषु शब्देषु)

अवधोयम्-अस्मिन् भागे षट् प्रश्नाः सन्ति। एतेभ्यः केषाञ्चन पञ्चप्रश्नानामुत्तराणि दत्त। $5 \times 4 = 20$

7. शिक्षामनोविज्ञानम् इत्येतस्य कोऽभिप्रायः?
8. प्रयोगात्मकविधेः चत्वारः लाभाः के?
9. विकासस्य चत्वारः विशेषताः का?
10. वैयक्तिकभिन्नतायाः लक्षणं किम्?
11. 'सर्जनात्मक विकासः' इत्येतस्य अर्थः कः?
12. बालकस्य वातावरण कानि-कानि कारणानि प्रभवन्ति?

द्वितीयो भागः (टिप्पण्यात्मकप्रश्नाः ५०० मितेषु शब्देषु)

अवधोयम्-अस्मिन् भागे षट् प्रश्नाः सन्ति। एतेभ्यः चत्वारः प्रश्नाः समाधोयाः। $4 \times 5 = 20$

1. मनोविज्ञानं शिक्षा च इत्यनयोः किमन्तरम्? उल्लिखित।
2. शिक्षामनोविज्ञानस्य ऐतिहमं वर्णयत।
3. वातावरणं वंशानुनमश्च इत्येतयोः को भेदः? निरूपयत।
4. 'वृद्धिः' विकासश्च इत्यनयोः निमन्तरम्?
5. तार्किकबुद्धिविश्लेषणस्य तात्पर्य किम्? परिभाषयत।
6. वैयक्तिकभिन्नतायाः निर्धारणतत्त्वानि कानि? वर्णयत।

तृतीयो भागः (निबंधात्मकाः विवरणात्मकाश्च प्रश्नाः १००० मितेश शब्देषु)

अवधोयम्-अस्मिन् भागे चत्त्वारः प्रश्नाः सन्ति। एतेभ्यः प्रश्नद्वयं समाधोयम्। $2 \times 20 = 40$

5. शिक्षाया क्षेत्रे मनोविज्ञानस्य प्रकृति महत्त्वञ्च विलिख्य विवेचयत् यत् एतद्धि शिक्षकाणाम् आधारभूतमस्ति।
6. किशोरावस्थायाः समस्यानां कृते प्रदीयमानयोः निर्देशनपरामर्शयोः शिक्षणस्य भूमिकां स्पष्टयत।
7. सर्जनशीलतां स्पष्टयित्वा विद्यालये सर्जनशीलतायाः संवर्धनाय काः काः व्यवस्थाः अपेक्षितः? लिखत।
8. वैयक्तिकभिन्नतायाः विशेषतां प्रतिपाद्य विद्यालये कति विधाः विशिष्टबालकाः भवति? लिखत।

****

प्रदत्त कार्य

आचार्य (एम.ए.) शिक्षाशास्त्र (प्रथम सेमेस्टर) परीक्षा, २०२०-२१

शिक्षायाम् अनुसन्धानप्रविधिः– प्रथम भाग

चतुर्थ पत्रम्

सम्पूर्णांक–80

उत्तीर्णांक–32

निर्देशः– प्रथम भाग से '5' द्वितीय भाग से '4' तथा तृतीय भाग से '2' कुल 11 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
प्रथम भाग का प्रत्येक प्रश्न 04 अंक, द्वितीय भाग का 05 अंक तथा तृतीय भाग का 20 का है।

प्रथम भाग

निम्नलिखित में से किन्हीं 05 लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर 250 शब्दों में दीजिये। $5 \times 4 = 20$

13. गुणात्मक शोध की चार विशेषताएँ बताए।
14. वैज्ञानिक ज्ञान प्राप्त करने की निगमन विधि स्पष्ट करें।
15. अनुसन्धान समस्या के चार स्रोत बताएं।
16. शोध उपकरण की विश्वसनीयता का अर्थ बताएं।
17. एक अच्छे प्रतिदर्श की चार विशेषताएं बताएं।
18. सम्बन्धित साहित्य के चार स्रोत बताएं।

द्वितीय भाग

निम्नलिखित में से किन्हीं 04 टिप्पण्यात्मक प्रश्नों के उत्तर 500 शब्दों मे दीजिये। $4 \times 5 = 20$

7. शैक्षिक अनुसन्धान का अभिप्राय एवं उद्देश्य बताएँ।
8. साहित्य सर्वेक्षण का शोध में क्या महत्व होता है, वर्णन कीजिए।
9. शोध उपकरण की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
10. प्रतिदर्श त्रुटियों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।
11. प्रश्नावली का कब प्रयोग किया जाता है? इसके विविध प्रकारों को विवेचित कीजिए।
12. शोध चरों का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

तृतीय भाग

निम्नलिखित में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर निबंधात्मक प्रश्नों का उत्तर 1000 शब्दों में दीजिए। $2 \times 20 = 40$

1. मौलिक, व्यवहृत एवं क्रियात्मक अनुसन्धान क्या होते हैं? इनके उद्देश्य, समस्या की प्रकृति एवं उपयोग की दृष्टियों से अन्तर बताएं।
2. शोध परिकल्पना से आप क्या समझते है? विभिन्न परिकल्पनाओं को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
3. प्रदत्त संकलन के उपकरण के रूप में साक्षात्कार एवं सामाजमितीय विधियों का प्रयोग कब और कैसे किया जाता है? वर्णन कीजिए।
4. विभिन्न सम्भाण्यता आधारित प्रतिदर्श चयन विधियों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

****

प्रदत्त कार्य

आचार्य (एम.ए.) शिक्षाशास्त्र (प्रथम सेमेस्टर) परीक्षा, २०२०-२१

शिक्षायां पदत्तविश्लेषणस्य विधयः

पंचमपत्रम्

सम्पूर्णांक-८०

प्रथमो भागः (लघूत्तरीयप्रश्नाः १५० मितेषु शब्देषु)

अवधोयम्-अस्मिन् भागे षट् प्रश्नाः सन्ति। एतेभ्यः केषाञ्चन पञ्चप्रश्नानामुत्तराणि दत्त। $5 \times 4 = 20$

1. वर्णनात्मकसांख्यिक्याः अभिप्रायं स्पष्टयत।
2. सापेक्षिकस्थिते मानानि के के सन्ति? इति लिखत।
3. विकृति वितरणस्य अभिप्रायं स्पष्टयत।
4. बहुलाङ्क किमस्ति। अस्य सूतं लिखत।
5. चिहन परीक्षणस्य उपयोगं स्पष्टयत।
6. दशाङ्कमानं किमस्ति? इति स्पष्टयत।

द्वितीयो भागः (टिप्पण्यात्मकप्रश्नाः ५०० मितेषु शब्देषु)

अवधायम्-अस्मिन् भागे षट् प्रश्नाः सन्ति। एतेभ्यः चत्वारः प्रश्नाः समाधोयाः। $4 \times 5 = 20$

1. गुणात्मक-मात्रात्मक प्रदत्तयोर्मध्ये को भेदः इति स्पष्टयत।
2. केन्द्रियप्रवृत्याः कानि मानानि सन्ति? इति स्पष्टयत।
3 सापेक्षिकस्थिते कोडभिप्रायः? अस्य उपयोगितां लिचात।
4. अप्राचलिक परीक्षणस्य अवधाारणां स्पष्टयत।
5. आसंगसारिणी अभिप्रायं सोदाहरणं स्पष्टयत।
6. अभिकलन विस्तारस्य अर्थम उपयोगिताञ्च लिखत।

तृतीयो भागः(निबंधात्मकाः विवरणात्मकाश्च प्रश्नाः १००० मितेश शब्देषु)

अवधोयम्-अस्मिन् भागे चत्वारः प्रश्नाः सन्ति। एतेभ्यः प्रश्नद्वयं समाधोयम्। $2 \times 20 = 40$

1. शैक्षिकानुसन्धाने प्रस्तावनां का उपयोगिता? प्रदत्तानां व्यवस्थापने कथं करणीयम इति सोदाहरणं विशदयत।
2. निम्नलिखित प्राप्तांकानां DG दशांकस्य एवञ्च P75 प्रतिशतांकस्य गणनां कुरुत।

वर्गान्तरालः	आवृतिः
35-40	2
30-35	3
25-30	5
20-25	8
15-20	6
10-15	4
5-10	2

3. सामान्यप्रायिकता वक्रस्य विशेषताम् अनुप्रयोगाश्च विवेचयत।
4. विचलनशीलतायाः सम्प्रत्ययं स्पष्टीकरुत। विचलनशीलातायाः कानि मानानि सन्ति? तेषां विशेषतां उपयोगिताञ्च वर्णयत।

प्रदत्त कार्य

आचार्य (एम.ए.) प्रथम सेमेस्टर परीक्षा, 2020–21

कम्प्यूटर विज्ञान

(OC-01)

सम्पूर्णांक–100

प्रथम भाग (लघु उत्तरीय प्रश्न)

निम्नलिखित 06 प्रश्नों में से किन्हीं 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। $\mathbf{5 \times 4 = 20}$

1. ALU क्या होता है?
2. UPS क्या होता है?
3. ROM क्या होती है? इसका मुख्य कार्य क्या है?
4. Unicode को समझाइये।
5. Output Device को उदाहरण से समझाइये।
6. Typing के लिए प्रयोग किये जाने वाले किन्ही 04 Fonts के नाम बताइये।

द्वितीय भाग

निम्नलिखित 06 प्रश्नों में से किन्हीं 04 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। $\mathbf{4 \times 5 = 20}$

1. CPU क्या होता है? इसके कार्य को समझाइयें।
2. Computer किस भाषा को आसानी से समझता है, उदाहरण सहित समझाइये।
3. किन्दी 05 इनपुट (Input) Device के नाम बताइये।
4. Typing Tools का मुख्य उपयोग क्या है? उदाहरण के साथ समझाइये।
5. Audio एवं Video के उपयोग बलाइये।
6. Free Domain Software क्या होता है? उदाहरण बताइये।

तृतीय भाग (निबंधात्मक/विवरणात्मक एवं व्याख्यात्मक) 1000 शब्दों में

निम्नलिखित 05 प्रश्नों में किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। $\mathbf{20 \times 3 = 60}$

1. Computer के मुख्य भाग कौन से होते है? विस्तार से समझाइये।
2. Computer में प्रयोग होने वाली विभिन्न प्रकार की Storage (स्टोरेज) डिवाइस को समझाइये एवं मुख्य (Mani Memory) मैमोरी तथा इसमें क्या अन्तर होता है।
3. Computer Number System से आप क्या समझते हैं? Binary Number को Decimal Number में कैसे बदला जाता है। उदाहरण से समझाइये।
4. Software क्या होता है? Computer मे Software कितने प्रकार के होते है, विस्तार से बताइये।
5. Multimedia क्या होता है? इसका मुख्यतः कहाँ कहाँ तथा किस क्षेत्र में प्रयोग किया जाता है। उदाहरण से समझाइये।